BIMSTEC विदेश मंत्रियों की बैठक

चर्चा में क्यों

- हाल ही में भारत में बिम्सटेक के विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन किया जा रहा है।
- इस मीटिंग की मेजबानी भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे।

कौन-कौन शामिल होगा

- थाईलैंड के विदेश मंत्री मारिस सांगियाम्पोंगसा और भूटान के विदेश मंत्री डी. एन. साथ ही श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और भूटान के विदेश मंत्री ।
- जिन मुद्दों पर होगी चर्चा :- सुरक्षा, दूरसंचार,आपसी सहयोग और व्यापार ।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह संगठन

- इस संगठन में भारत के पड़ोसी देश शामिल है, भारत इन पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना चाहता है।
- इस संगठन का उद्देश्य तीव्र आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने और साझा हितों के मुद्दों पर समन्वय स्थापित करने के लिए सदस्य देशों के बीच सकारात्मक वातावरण बनाना
- भारत इन देशों से चीन के प्रभाव को कम करना चाहता है।
- भारत इन देशों से पाकिस्तान को अलग-थलग करने की रणनीति अपना रहा है

BIMSTEC क्या है

- बंगाल की खाड़ी से लगे हुए देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है।
- पूरा नाम :- बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक को-ऑपरेशन (BIMSTEC)
- बिम्सटेक की स्थापना :- बैंकॉक डिक्लेरेशन के तहत 6 जून 1997 को ।
- मुख्यालय :- ढाका, बांग्लादेश
- इसमें चार संस्थापक सदस्य देश थे बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और थाईलैंड

Result Mitra

- **स्थापना के समय इसे BIST-EC कहा जाता (बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और थाईलैंड आर्थिक सहयोग संगठन) ।**

- **म्यांमार को 22 दिसंबर 1997 में शामिल किया गया। जिससे इस का नाम BIMSTEC हो गया था।**
- **भूटान और नेपाल को इसमें 2004 में शामिल किया गया तब इसके नाम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।**
- **कितने सदस्य देश है वर्तमान में :- इसमें सात सदस्य देश है**
- (India, Bhutan, Bangladesh, Myanmar, Thailand, Nepal, Sri Lanka.)
- **SAARC :- इसमें आठ सदस्य देश है**
- (India, Bhutan, Bangladesh, Afghanistan, Maldives, Nepal, Pakistan and Sri-Lanka).
- **पाकिस्तान सार्क संगठन का सदस्य है किंतु बिम्सटेक में सदस्य नहीं है**

बिम्सटेक का महत्व :-

- **दुनिया की 22% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व (आबादी 180 करोड़)**
- **सभी सा देश की कुल GDP 3 लाख करोड़**

भारत को क्या फायदा :-

- **भारत सार्क संगठन की अपेक्षा बिम्सटेक को अधिक महत्व देना चाहता है क्योंकि इसमें पाकिस्तान सदस्य नहीं है.**
- **भारत की नीति शुरू से ही पाकिस्तान को अलग-अलग करने की रही है।**
- **किसी के तहत इसी नीति के तहत भारत में 2016 में ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी की थी उसे समय भी भारत में बिम्सटेक के सदस्य देशों को बुलाया था जिससे पाकिस्तान इस क्षेत्र में अकेला पड़ गया था**
- **वर्ष 2024 सितंबर में थाईलैंड में BIMSTEC का छठा शिखर सम्मेलन होगा ।**

Result Mitra

प्रधान मंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PM-STIAC)

चर्चा में क्यों

- हाल ही में पीएम-एसटीआईएसी की 25 वीं बैठक का आयोजन किया गया।
- इस बैठक में भारत ने मुख्य रूप से कार्बन कैप्चर उपयोग एवं संग्रहण तथा कार्बन क्रेडिट पर चर्चा की।

पीएम-एसटीआईएसी के बारे में

- इसका गठन अगस्त 2018 में किया गया था तथा इसमें
- कुल 21 सदस्य हैं
- प्रधानमंत्री एवं मंत्रिमंडल की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) का स्थान पीएम-एसटीआईएसी ने लिया

पीएम-एसटीआईएसी के उद्देश्य

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान को समन्वित करना
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भविष्य में उत्पन्न होने वाली प्रमुख चुनौतियों के लिए तैयारी करना
- प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचारों और उद्यमिता के लिए सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करना।
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार पर प्रधानमंत्री को सलाह देना।

पीएम-एसटीआईएसी द्वारा अनुमोदित कुछ महत्वपूर्ण मिशन :-

- एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) मिशन।
- राष्ट्रीय क्वांटम मिशन।
- इलेक्ट्रिक वाहन मिशन।
- अग्नि मिशन आदि।
- डीप ओशन एक्सप्लोरेशन मिशन।

Result Mitra

'नावु मनुजारु' कार्यक्रम

चर्चा में क्यों

- कर्नाटक सरकार ने राज्य के स्कूलों में 'नावु मनुजारु' कार्यक्रम के कार्यान्वयन का आदेश दिया।
- 'नावु मनुजारु' कार्यक्रम का उद्देश्य :- स्कूली बच्चों में सामाजिक सद्भाव और साथ ही संवैधानिक मूल्यों को विकसित करना।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के द्वारा संचालित सभी सरकारी और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त एवम् गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में बच्चों के अंदर क्षमताओं को विकसित करने के लिए सप्ताह में दो घंटे (40 मिनट के तीन पीरियड के साथ) चर्चा और संवाद आयोजित किए जाने के लिए रिज़र्व रखें जाएंगे।
- कार्यान्वयन एजेंसी: राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण विभाग (डीएसईआरटी)

नावु मनुजारु कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य
- छात्रों के समग्र विकास में भी सहायता प्रदान करना
- छात्रों के अंदर ऐसी क्षमताओं को विकसित किया जा सके जिससे वह स्वतंत्र रूप से सोचने तथा तर्कसंगत होने होने की क्षमता हासिल कर सके।
- छात्र किसी भी मुद्दे के सकारात्मक तथा नकारात्मक पशुओं को समझ सके।
- इस कार्यक्रम में निम्नलिखित मुद्दे शामिल होंगे :- असमानता उन्मूलन पर चर्चा तथा समानता, समाज सुधारकों के विचार, एकल एवं गैर-एकल परिवारों पर चर्चा, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों पर संवाद।

Result Mitra